चाकर हूँ चरणा रो पिरजी एड़ी भूल कई राको

चाकर हूँ चरणा रो पिरजी,
एड़ी भूल कई राको ई,
रात दिन आ दिन ही रात को,
अरे बेडी बन्दी धनियारा अन्नदाता,
आ चरना कर थरोई।bd।

सरस्वती मात शारदा सिवरू,
हिरेदे उजालो लोई थाकोई,
रिद्धि सिद्धि रा भंडार खोलदो,
अरे कमि काई जी राको अंदाता,
आ चरना कर थरोई।bd।

सोहनी दुवारका ये देव पधारिया,
भालो करियो नवरकोई,
ये अजमल जी री आशा पुरदी,
अरे बाल जीवायो सुगना को,
आ चरना कर थरोई।bd।

ये बड़ा बिरम दे चोटा रामदे,
जोड़ो बन्यो भाई रकोइ ई,
ये माता मेनादे करे आरती,
माता मेनादे अरे कलश बंधायो,
धनयरो अंधता आ चरना कर थकोई।bd।

सती द्रोपती रो ये चिरी बंदयो,
आंबे लगायो भंद्वकोई,
नेनी बई रो बरयो महायरो,
अर्जुन रथडा हाँको अंदाता,
आ चरनो कर थकोई।bd।

ये गजरी पुकारी ये सुनी दरबा में,
नेवरे हजारी धकोई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ये रिद्धि ओ बेटो भजन माए बोले,
अरे अवा जीवन कई राको अंधता,
आ चरनो कर थकोई।bd।

चाकर हूँ चरणा रो पिरजी,
एड़ी भूल कई राको ई,
रात दिन आ दिन ही रात को,
अरे बेडी बन्दी धनियारा अन्नदाता,
आ चरना कर थरोई।bd।

गायक – महेंद्र जी बोयल।
प्रेषक – NARESH KUMAWAT
9008061648

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com